

जैसा चाहो मुझको समजना

जैसा चाहो मुझको समजना बस तुमसे माँ इतना है केहना,
मांगने की आदत जाती नहीं तेरे आगे लाज मुझे आती नहीं

बड़े बड़े पैसे वाले भी तेरे द्वारे आते हैं
है मुझको मालुम के वो भी तुमसे मांग के खाते हिया,
मांगने से इज्जत जाती नहीं
तेरे आगे लाज मुझे आती नहीं

तुम से मैया शुरू करू तो और कहा पे जाउगा
मैं अपने परिवार का खर्चा बोलो कहा से लाउगा,
दुनिया तो बिगड़ी बनाती नहीं,
तेरे आगे लाज मुझे आती नहीं

तू ही करती मेरी चिंता तो ही गुजारा चलता है
कहे पवन के तुमसे ज्यदा कोई नहीं कर सकता है,
झोली हर कही फेलाई जाती नहीं
तेरे आगे लाज मुझे आती नहीं

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/18559/title/jaisa-chaho-mujhko-smjana>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |